Roll. No. .....

O.M.R. Serial No. | | | | | | | | |

Question Booklet Number
100033

DIPLOMA (SEM.-I) EXAMINATION, 2024-25

PRAKRIT LANGAUGE CERTIFICATE

(Sub. Code : CPL-01)

Paper Code
C C P L 1 0 4 T

Question Booklet Series
A

Time : 2 : 00 Hours **Max. Marks : 75**

Instructions to the Examinee :

1. Do not open the booklet unless you are asked to do so.
2. The booklet contains 75 questions. Examinee is required to answer all 75 questions in the OMR Answer-Sheet provided and not in the question booklet. All questions carry equal marks.
3. Examine the Booklet and the OMR Answer-Sheet very carefully before you proceed. Faulty question booklet due to missing or duplicate pages/questions or having any other discrepancy should be got immediately replaced.
4. Four alternative answers are mentioned for each question as - A, B, C & D in the booklet. The candidate has to choose the correct / answer and mark the same in the OMR Answer-Sheet as per the direction :

(Remaining instructions on last page)

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक आपसे कहा न जाए।
2. प्रश्न-पुस्तिका में 75 प्रश्न हैं। परीक्षार्थी को सभी 75 प्रश्नों को केवल दी गई OMR आन्सर-शीट पर ही हल करना है, प्रश्न-पुस्तिका पर नहीं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर अंकित करने से पूर्व प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR आन्सर-शीट को सावधानीपूर्वक देख लें। दोषपूर्ण प्रश्न-पुस्तिका जिसमें कुछ भाग छपने से छूट गए हों या प्रश्न एक से अधिक बार छप गए हों या उसमें किसी अन्य प्रकार की कमी हो, उसे तुरन्त बदल लें।
4. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार सम्भावित उत्तर- A, B, C एवं D हैं। परीक्षार्थी को उन चारों विकल्पों में से सही उत्तर छाँटना है। उत्तर को OMR उत्तर-पत्रक में सम्बन्धित प्रश्न संख्या में निम्न प्रकार भरना है :

(शेष निर्देश अन्तिम पृष्ठ पर)

1. आचार्य नेमिचन्द्र महाराज की उपाधि क्या है?

(A) कालिकालसर्वज्ञ

(B) गृद्धपिच्छ

(C) सन्तशिरोमणि

(D) सिद्धान्तिदेव

2. द्रव्यसंग्रह के वृत्तिकार कौन हैं?

(A) आचार्य नेमिचन्द्र

(B) पं. जवाहर लाल शास्त्री

(C) ब्रह्मदेवसूरि

(D) रायचन्द्र

3. लब्धिसार ग्रन्थ के रचनाकार कौन हैं?

(A) आचार्य नेमिचन्द्र

(B) आचार्य समन्द्रभन्द्र

(C) आचार्य जिनसेन

(D) आचार्य वीरसेन

4. नेमिचन्द्र सिद्धान्ति देव ने सर्वप्रथम कितनी गाथाओं का द्रव्यसंग्रह लिखा था?

(A) 26

(B) 58

(C) 48

(D) 108

5. सोमश्रेष्ठी के लिए कौन-सा ग्रंथ लिखा गया?

(A) समणसुत्त

(B) समयसार

(C) तत्वार्थसूत्र

(D) द्रव्यसंग्रह

6. द्रव्यसंग्रह में जीव के कितने अधिकारों का विवेचन किया गया है?

(A) 07

(B) 48

(C) 58

(D) 09

7. वस्तु के अशुद्ध स्वरूप के ग्रहण करने वाले नय को कहते हैं -

(A) निश्चय नय

(B) व्यवहार नय

(C) अशुद्ध उपयोग नय

(D) शुद्ध निश्चय

8. कौन-से भगवान के पास दस प्राणों में से एक भी प्राण नहीं हैं, उनका निश्चयनय एक चेतन प्राण ही माना गया है?

(A) अरहंत

(B) सकल परमात्मा

(C) केवली परमात्मा

(D) सिद्ध परमात्मा

9. द्रव्यसंग्रह की प्रारम्भिक 14 गाथाओं में किसका वर्णन किया गया है?

(A) पुद्गलद्रव्य अधिकार

(B) अजीवद्रव्य अधिकार

(C) जीवद्रव्य जीव अधिकार

(D) सात तत्व अधिकार

10. आचार्य नेमिचन्द्र का समय क्या माना जाता है?

(A) 11 ईसवी के लगभग

(B) 07 ईसवी के लगभग

(C) 09 ईसवी के लगभग

(D) 10 ईसवी के लगभग

नोट- रिक्त स्थान भरने के लिए सही शब्द का चुनाव करना हैं। प्रश्न संख्या 11 से 15 तक।

11. जीवमजीवं दव्वं जिणवर ..... जेण णिद्दिट्ठं।

(A) जेण (B) सहेण

(C) सव्वदा (D) वसहेण

12. मंगलाणं च सव्वेसिं, ... हवइ मंगलं।

(A) प्रथम

(B) पहला

(C) पढमइ

(D) पढम

13. नेमिचन्द्र महाराज ने कौन-से प्रसिद्ध प्रतिमा की प्रतिष्ठा करायी?

(A) महावीर जी (महावीर भगवान)

(B) कुण्डलपुर (आदिनाथ)

(C) श्रवणगोला (बाहुबली)

(D) केशवरावपाटन (मुनि सुब्रतनाथ)

14. चक्खु अचक्खू ओही ..... मध केवलं णेयं।

(A) णाणं

(B) दसणं

(C) उपयोग

(D) दसाण

15. अट्ठविहकम्म ..... णिट्ठियकज्जा।

(A) कज्जा

(B) वियला

(C) सव्वदा

(D) वसहेण

16. परमात्मा के कितने भेद होते हैं?

(A) 2

(B) 3

(C) 24

(D) 5

17. क्रम संख्या में सत्यानुणव्रत का क्रम है?

(A) 5

(B) 3

(C) 4

(D) 2

18. तीन काल में जीव के .....प्राण होते हैं।

(A) पाँच इन्द्रिय

(B) चार प्राण

(C) तीन प्राण

(D) दो बल

19. शुभ-अशुभ कर्मों का कर्त्ता है -

(A) जीव

(B) अमूर्तिक

(C) पुद्गल

(D) धर्मद्रव्य

20. जिनवरों में श्रेष्ठ कौन है?

(A) आचार्य

(B) गणधर

(C) गौतम जिनवर

(D) वृषभदेव जिनवर

21. विनोबा जी की प्रेरणा से कौन-से ग्रंथ का संकलन किया गया था?

(A) जिनेन्द्र व्याकरण

(B) समणसुत्तं

(C) द्रव्यसंग्रह

(D) व्याकरणकोश

22. समणसुत्तं ग्रन्थ में कुल गाथाएँ हैं –

(A) 700

(B) 763

(C) 756

(D) 759

23. जैनाचार्यों ने प्राकृत श्लोकों को कहा है –

(A) लक्षण

(B) गाथा

(C) श्लोक

(D) पदावली

24. "खाओ पीओ मौज उड़ाओ" किसका सिद्धान्त है?

(A) न्याय दर्शन

(B) चार्वाक

(C) जैन धर्म

(D) बौद्ध धर्म

25. 'तत्वदर्शन' समणसुत्तं का कौन-सा खण्ड है?

(A) प्रथम

(B) द्वितीय

(C) तृतीय

(D) चतुर्थ

26. जीव-अजीव, नौ पदार्थ और सात तत्वों का समणसुत्तं के कौन-से खण्ड में विवेचन किया गया है?

(A) प्रथम

(B) द्वितीय

(C) तृतीय

(D) चतुर्थ

27. स्याद्वाद कहलाता है –

(A) नय

(B) अनेकान्तवाद

(C) वस्तु के स्वरूप को प्रस्तुत करने की शैली

(D) वस्तु के अनेक धर्म

28. जिनशासनसूत्र ..... ग्रन्थ का प्रकरण है।

(A) समणसुत्तं

(B) समयसार

(C) तत्वार्थ सूत्र

(D) द्रव्यसंग्रह

29. समणसुत्तं ग्रन्थ किस प्रकार का ग्रन्थ है?

(A) वृत्ति ग्रन्थ

(B) संकलन ग्रन्थ

(C) टीका ग्रन्थ

(D) अनुवाद ग्रन्थ

30. मोक्ष का मार्ग है-

(A) सम्यक दर्शन

(B) सम्यक ज्ञान

(C) सम्यक चरित्र

(D) उपरोक्त सभी

31. 'दर्शन' शब्द का अर्थ होता है-

(A) ज्ञान

(B) देखना

(C) जानना

(D) स्मरण

32. सव्व साहूणं का प्राकृत अनुवाद क्या होगा?

(A) लोक के साधु

(B) साधुओं को नमस्कार

(C) साहू

(D) सभी साधुओं को

33. लोक में कितनी शरण हैं?

(A) पाँच

(B) तीन

(C) चार

(D) एक

34. शुद्ध निश्चय नय की दृष्टि से जीव कैसे जीता है?

(A) भौतिक सुखों से युक्त

(B) जन्म-मरण से युक्त

(C) आदि, मध्य और अन्त से रहित

(D) मोह रूपी मद पीकर

35. निम्न में से एक निश्चय नय का भेद है?

(A) नैगम

(B) संग्रह

(C) सद्भूत व्यवहार

(D) अशुद्ध निश्चय नय

36. जीव मूर्तिक कर्मों का अधीन होने से रूप, रस गंध और वर्ण सहित होने से कहलाता है-

(A) अमूर्तिक

(B) कर्मों कर्त्ता

(C) भोक्ता

(D) मूर्तिक

37. बल कितने होते हैं?

(A) तीन

(B) एक

(C) चार

(D) दो

38. उपयोग कितने प्रकार का होता है?

(A) तीन

(B) सात

(C) पाँच

(D) दो

39. बन्ध, वध, छेद अतिभारण और अन्ननिरोध किस व्रत के अतिचार हैं?

(A) अहिंसा महाव्रत

(B) सत्य महाव्रत

(C) अचौर्य महाव्रत

(D) ब्रह्मचर्य महाव्रत

40. यदि कोई व्यक्ति किसी जीव को तीर्थंकर आदि जिनबिम्ब के दर्शन से रोकता है, तो उस व्यक्ति को कौन-से कर्म का बन्ध होगा?

(A) ज्ञानावरणी

(B) अन्तराय

(C) दर्शनावरणी

(D) वेदनीय

41. तीर्थंकर भगवान का शरीर कैसा होता है?

(A) मलसहित

(B) चन्दनयुक्त

(C) स्वेदरहित

(D) लाल रक्त युक्त

42. द्रव्यसंग्रह की रचना कहाँ हुई थी?

(A) केशवरावपाटन

(B) सम्मेदशिखरजी

(C) अयोध्या

(D) पावापुरी

43. केवलज्ञान के अतिशय कितने होते हैं?

(A) आठ

(B) पाँच

(C) दस

(D) आठ

44. दर्शनावरणी, ज्ञानवरणी, मोहनीय और अन्तराय कर्म के क्षय होने पर अरहंत को कितने गुण प्रकट होते हैं?

(A) आठ

(B) चार

(C) ग्यारह

(D) दस

45. चक्षु दर्शनावरण के क्षयोपशम से तथा बहिरंग द्रव्येन्द्रिय के आलम्बन से मूर्तिक पदार्थ के सत्ता सामान्य को एकदेश विकल्प रहित जो देखता है, वह क्या कहलाता है?

(A) अचक्षु दर्शन

(B) चक्षु दर्शन

(C) अवधि दर्शन

(D) केवल दर्शन

46. परोक्ष ज्ञान है-

(A) मदि-सुद

(B) मदि-सुद-ओही

(C) केवलज्ञान

(D) मदि-ओही

47. कुवधि, मनः पर्यय, अवधि और केवलज्ञान है?

(A) परोक्ष

(B) प्रत्यक्ष

(C) ज्ञान के भेद नहीं है

(D) परोक्ष और प्रमाण

48. निम्न में से वर्ण का एक भेद नहीं है-

(A) काला

(B) मीठा

(C) लाल

(D) पीला

49. निश्चय नय की अपेक्षा से जीव कौन-से कर्मों का कर्त्ता है?

(A) चेतन कर्मों

(B) अचेतन कर्मों

(C) पुद्गल कर्मों

(D) शुभ-अशुभ कर्मों

50. व्यवहार नय की अपेक्षा से जीव कौन-से कर्मों को भोगता है?

(A) चेतन कर्मों

(B) अचेतन कर्मों

(C) पुद्गल कर्मों

(D) शुभ-अशुभ कर्मों

51. गमन करते हुए जीवों और पुद्गल को जो गमन कराने में निमित हो उसे क्या कहते हैं?

(A) जीवद्रव्य

(B) अजीवद्रव्य

(C) धर्मद्रव्य

(D) आकाशद्रव्य

52. समस्त द्रव्यों को अवकाश देने में कौन समर्थ है?

(A) जीवद्रव्य

(B) अजीवद्रव्य

(C) धर्मद्रव्य

(D) आकाश द्रव्य

53. मन और इन्द्रिय की सहायता से होने वाला ज्ञान कहलाता है-

(A) अवधिज्ञान

(B) केवलज्ञान

(C) श्रुतज्ञान

(D) मतिज्ञान

54. संसार की रचना किसके द्वारा की गयी है?

(A) भगवान

(B) देवों

(C) स्वनर्मित है

(D) मनुष्यों

55. जिनवर किन्हें कहते हैं?

(A) जो जिनों में श्रेष्ठ होते हैं।

(B) जो देवों में श्रेष्ठ होते हैं।

(C) जो पर्याय में श्रेष्ठ होते हैं।

(D) जो देवों और नरों के द्वारा पूज्य होते हैं।

56. जीव किसे कहते हैं?

(A) जिसमें ज्ञान दर्शन चेतना हो

(B) जिसमें अनुभूति न हो

(C) जो पर पदार्थ का कर्त्ता हो

(D) समस्त पदार्थों को

57. द्रव्यसंग्रह की दूसरे नम्बर की गाथा में किसका वर्णन है?

(A) अजीव अधिकार

(B) जीव के नौ अधिकार

(C) आस्रव अधिकार

(D) पुण्य-पाप अधिकार

58. जीव कैसा है?

(A) उपयोगमयी

(B) उपयोगमयी, मूर्तिक

(C) अनुपयोगी

(D) मूर्तिक-अमूर्तिक

59. जीव स्वभाव से कैसा है?

(A) अधोगमन करने वाला

(B) ऊर्ध्वगमन करने वाला

(C) मान-लोभ करने वाला

(D) पाप करने वाला

60. इनमें से प्राण नहीं है?

(A) इन्द्रिय

(B) बल

(C) आयु

(D) ज्ञान

61. इनमें से दर्शन उपयोग के भेद नहीं है-

(A) अचक्षु दर्शन

(B) चक्षु दर्शन

(C) अवधि दर्शन

(D) अनन्त दर्शन

62. निश्चय नय से जीव कौन है?

(A) जिसमें चेतना हो

(B) जो अचेतन हो

(C) जिसमें मोह हो

(D) इनमें से कोई नहीं

63. आत्मा व्यवहार नय से किसको भोगता है?

(A) सुख-दुःख रूप पुद्गल कर्म के फल को

(B) चेतन भाव ज्ञान दर्शन सुख को

(C) राग-द्वेष को

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

64. निश्चय नय से आत्मा कैसा है?

(A) अनन्त प्रदेशों वाला

(B) एक प्रदेशी

(C) असंख्यात प्रदेशों वाला

(D) दोनों (A) और (B)

65. तीर्थंकर भगवान कितने इन्द्रों से वंदनीय होते हैं?

(A) चालीस

(B) चार

(C) सौ

(D) बत्तीस

66. वस्तु के विपरीत स्वभाव को ग्रहण करने वाले ज्ञान को क्या कहते हैं?

(A) नय

(B) निश्चय नय

(C) व्यवहार

(D) व्यवहार नय

67. निम्न में से बल नहीं है –

(A) मन

(B) सिद्ध

(C) काय

(D) वचन

68. चंदलेहा सट्टक के रचनाकार कौन हैं?

(A) हरिभदसूरि

(B) आचार्य नेमिचन्द्र

(C) मार्कण्डेय

(D) रुद्रदास

69. मिथ्या ज्ञान कितने होते हैं?

(A) तीन

(B) पाँच

(C) आठ

(D) दो

70. नय के कितने भेद हैं?

(A) 3

(B) 9

(C) 10

(D) 7

71. इन्द्रिय की सहायता से बिना आत्मा से होने वाला ज्ञान कहलाता है-

(A) परोक्ष

(B) प्रत्यक्ष

(C) मनः पर्यय ज्ञान

(D) मति-श्रुतज्ञान

72. स्पर्श कितने होते हैं?

(A) आठ

(B) पाँच

(C) तीन

(D) आठ

73. जिसमें अनेक महापुरुषों का जीवन चरित वर्णित हो और लोक प्रसिद्ध हो उस काव्य को कहते हैं -

(A) मुक्त काव्य

(B) महाकाव्य

(C) खण्ड काव्य

(D) चरित काव्य

74. चामुण्डराय के गुरू का क्या नाम था?

(A) आचार्य नेमिचन्द्र

(B) आचार्य समन्तभद्र

(C) आचार्य जिनसेन

(D) आचार्य वीरसेन

75. प्राकृत में नाटक को कहते हैं-

(A) सट्टक

(B) नाटक

(C) चरियं

(D) कथा

Roll. No. .....

O.M.R. Serial No. | | | | | | | | |

Question Booklet Number
100030

DIPLOMA (SEM.-I) EXAMINATION, 2024-25

PRAKRIT LANGAUGE CERTIFICATE

(Sub. Code : CPL-01)

Paper Code							
C	C	P	L	1	0	4	T

Question Booklet Series
B

Time : 2 : 00 Hours **Max. Marks : 75**

Instructions to the Examinee :

1. Do not open the booklet unless you are asked to do so.
2. The booklet contains 75 questions. Examinee is required to answer all 75 questions in the OMR Answer-Sheet provided and not in the question booklet. All questions carry equal marks.
3. Examine the Booklet and the OMR Answer-Sheet very carefully before you proceed. Faulty question booklet due to missing or duplicate pages/questions or having any other discrepancy should be got immediately replaced.
4. Four alternative answers are mentioned for each question as - A, B, C & D in the booklet. The candidate has to choose the correct / answer and mark the same in the OMR Answer-Sheet as per the direction :

(Remaining instructions on last page)

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक आपसे कहा न जाए।
2. प्रश्न-पुस्तिका में 75 प्रश्न हैं। परीक्षार्थी को सभी 75 प्रश्नों को केवल दी गई OMR आन्सर-शीट पर ही हल करना है, प्रश्न-पुस्तिका पर नहीं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर अंकित करने से पूर्व प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR आन्सर-शीट को सावधानीपूर्वक देख लें। दोषपूर्ण प्रश्न-पुस्तिका जिसमें कुछ भाग छपने से छूट गए हों या प्रश्न एक से अधिक बार छप गए हों या उसमें किसी अन्य प्रकार की कमी हो, उसे तुरन्त बदल लें।
4. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार सम्भावित उत्तर- A, B, C एवं D हैं। परीक्षार्थी को उन चारों विकल्पों में से सही उत्तर छाँटना है। उत्तर को OMR उत्तर-पत्रक में सम्बन्धित प्रश्न संख्या में निम्न प्रकार भरना है :

(शेष निर्देश अन्तिम पृष्ठ पर)

1. परोक्ष ज्ञान है-

(A) मदि-सुद

(B) मदि-सुद-ओही

(C) केवलज्ञान

(D) मदि-ओही

2. कुवधि, मनः पर्यय, अवधि और केवलज्ञान है?

(A) परोक्ष

(B) प्रत्यक्ष

(C) ज्ञान के भेद नहीं है

(D) परोक्ष और प्रमाण

3. निम्न में से वर्ण का एक भेद नहीं है-

(A) काला

(B) मीठा

(C) लाल

(D) पीला

4. निश्चय नय की अपेक्षा से जीव कौन-से कर्मों का कर्त्ता है?

(A) चेतन कर्मों

(B) अचेतन कर्मों

(C) पुद्गल कर्मों

(D) शुभ-अशुभ कर्मों

5. व्यवहार नय की अपेक्षा से जीव कौन-से कर्मों को भोगता है?

(A) चेतन कर्मों

(B) अचेतन कर्मों

(C) पुद्गल कर्मों

(D) शुभ-अशुभ कर्मों

6. गमन करते हुए जीवों और पुद्गल को जो गमन कराने में निमित हो उसे क्या कहते हैं?

(A) जीवद्रव्य

(B) अजीवद्रव्य

(C) धर्मद्रव्य

(D) आकाशद्रव्य

7. शुद्ध निश्चय नय की दृष्टि से जीव कैसे जीता है?

(A) भौतिक सुखों से युक्त

(B) जन्म-मरण से युक्त

(C) आदि, मध्य और अन्त से रहित

(D) मोह रूपी मद पीकर

8. निम्न में से एक निश्चय नय का भेद है?

(A) नैगम

(B) संग्रह

(C) सद्भूत व्यवहार

(D) अशुद्ध निश्चय नय

9. जीव मूर्तिक कर्मों का अधीन होने से रूप, रस गंध और वर्ण सहित होने से कहलाता है-

(A) अमूर्तिक

(B) कर्मों कर्त्ता

(C) भोक्ता

(D) मूर्तिक

10. बल कितने होते हैं?

(A) तीन

(B) एक

(C) चार

(D) दो

11. उपयोग कितने प्रकार का होता है?

(A) तीन

(B) सात

(C) पाँच

(D) दो

12. बन्ध, वध, छेद अतिभारण और अन्ननिरोध किस व्रत के अतिचार हैं?

(A) अहिंसा महाव्रत

(B) सत्य महाव्रत

(C) अचौर्य महाव्रत

(D) ब्रह्मचर्य महाव्रत

13. जीव कैसा है?

(A) उपयोगमयी

(B) उपयोगमयी, मूर्तिक

(C) अनुपयोगी

(D) मूर्तिक-अमूर्तिक

14. जीव स्वभाव से कैसा है?

(A) अधोगमन करने वाला

(B) ऊर्ध्वगमन करने वाला

(C) मान-लोभ करने वाला

(D) पाप करने वाला

निरोध

15. इनमें से प्राण नहीं है?

(A) इन्द्रिय

(B) बल

(C) आयु

(D) ज्ञान

16. इनमें से दर्शन उपयोग के भेद नहीं है-

(A) अचक्षु दर्शन

(B) चक्षु दर्शन

(C) अवधि दर्शन

(D) अनन्त दर्शन

17. निश्चय नय से जीव कौन है?

(A) जिसमें चेतना हो

(B) जो अचेतन हो

(C) जिसमें मोह हो

(D) इनमें से कोई नहीं

18. आत्मा व्यवहार नय से किसको भोगता है?

(A) सुख-दुःख रूप पुद्गल कर्म के फल को

(B) चेतन भाव ज्ञान दर्शन सुख को

(C) राग-द्वेष को

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

19. जिनशासनसूत्र ..... ग्रन्थ का प्रकरण है।

(A) समणसुत्तं

(B) समयसार

(C) तत्वार्थ सूत्र

(D) द्रव्यसंग्रह

20. समणसुत्तं ग्रन्थ किस प्रकार का ग्रन्थ है?

(A) वृत्ति ग्रन्थ

(B) संकलन ग्रन्थ

(C) टीका ग्रन्थ

(D) अनुवाद ग्रन्थ

21. मोक्ष का मार्ग है-

(A) सम्यक दर्शन

(B) सम्यक ज्ञान

(C) सम्यक चरित्र

(D) उपरोक्त सभी

22. 'दर्शन' शब्द का अर्थ होता है-

(A) ज्ञान

(B) देखना

(C) जानना

(D) स्मरण

23. सव्व साहूणं का प्राकृत अनुवाद क्या होगा?

(A) लोक के साधु

(B) साधुओं को नमस्कार

(C) साहू

(D) सभी साधुओं को

24. लोक में कितनी शरण हैं?

(A) पाँच

(B) तीन

(C) चार

(D) एक

25. समस्त द्रव्यों को अवकाश देने में कौन समर्थ है?

(A) जीवद्रव्य

(B) अजीवद्रव्य

(C) धर्मद्रव्य

(D) आकाश द्रव्य

26. मन और इन्द्रिय की सहायता से होने वाला ज्ञान कहलाता है–

(A) अवधिज्ञान

(B) केवलज्ञान

(C) श्रुतज्ञान

(D) मतिज्ञान

27. संसार की रचना किसके द्वारा की गयी है?

(A) भगवान

(B) देवों

(C) स्वनर्मित है

(D) मनुष्यों

28. जिनवर किन्हें कहते हैं?

(A) जो जिनों में श्रेष्ठ होते हैं।

(B) जो देवों में श्रेष्ठ होते हैं।

(C) जो पर्याय में श्रेष्ठ होते हैं।

(D) जो देवों और नरों के द्वारा पूज्य होते हैं।

29. जीव किसे कहते हैं?

(A) जिसमें ज्ञान दर्शन चेतना हो

(B) जिसमें अनुभूति न हो

(C) जो पर पदार्थ का कर्त्ता हो

(D) समस्त पदार्थों को

30. द्रव्यसंग्रह की दूसरे नम्बर की गाथा में किसका वर्णन है?

(A) अजीव अधिकार

(B) जीव के नौ अधिकार

(C) आस्रव अधिकार

(D) पुण्य-पाप अधिकार

31. समणसुत्तं ग्रन्थ में कुल गाथाएँ हैं –

(A) 700

(B) 763

(C) 756

(D) 759

32. जैनाचार्यों ने प्राकृत श्लोकों को कहा है –

(A) लक्षण

(B) गाथा

(C) श्लोक

(D) पदावली

33. "खाओ पीओ मौज उड़ाओ" किसका सिद्धान्त है?

(A) न्याय दर्शन

(B) चार्वाक

(C) जैन धर्म

(D) बौद्ध धर्म

34. 'तत्वदर्शन' समणसुत्तं का कौन-सा खण्ड है?

(A) प्रथम

(B) द्वितीय

(C) तृतीय

(D) चतुर्थ

35. जीव-अजीव, नौ पदार्थ और सात तत्वों का समणसुत्तं के कौन-से खण्ड में विवेचन किया गया है?

(A) प्रथम

(B) द्वितीय

(C) तृतीय

(D) चतुर्थ

36. स्याद्वाद कहलाता है –

(A) नय

(B) अनेकान्तवाद

(C) वस्तु के स्वरूप को प्रस्तुत करने की शैली

(D) वस्तु के अनेक धर्म

37. नय के कितने भेद हैं?

(A) 3

(B) 9

(C) 10

(D) 7

38. इन्द्रिय की सहायता से बिना आत्मा से होने वाला ज्ञान कहलाता है-

(A) परोक्ष

(B) प्रत्यक्ष

(C) मनः पर्यय ज्ञान

(D) मति-श्रुतज्ञान

39. स्पर्श कितने होते हैं?

(A) आठ

(B) पाँच

(C) तीन

(D) आठ

40. जिसमें अनेक महापुरुषों का जीवन चरित वर्णित हो और लोक प्रसिद्ध हो उस काव्य को कहते हैं -

(A) मुक्त काव्य

(B) महाकाव्य

(C) खण्ड काव्य

(D) चरित काव्य

41. चामुण्डराय के गुरू का क्या नाम था?

(A) आचार्य नेमिचन्द्र

(B) आचार्य समन्तभद्र

(C) आचार्य जिनसेन

(D) आचार्य वीरसेन

42. प्राकृत में नाटक को कहते हैं-

(A) सट्टक

(B) नाटक

(C) चरियं

(D) कथा

43. परमात्मा के कितने भेद होते हैं?

(A) 2

(B) 3

(C) 24

(D) 5

44. क्रम संख्या में सत्यानुणव्रत का क्रम है?

(A) 5

(B) 3

(C) 4

(D) 2

45. तीन काल में जीव के .....प्राण होते हैं।

(A) पाँच इन्द्रिय

(B) चार प्राण

(C) तीन प्राण

(D) दो बल

46. शुभ-अशुभ कर्मों का कर्त्ता है -

(A) जीव

(B) अमूर्तिक

(C) पुद्गल

(D) धर्मद्रव्य

47. जिनवरों में श्रेष्ठ कौन है?

(A) आचार्य

(B) गणधर

(C) गौतम जिनवर

(D) वृषभदेव जिनवर

48. विनोबा जी की प्रेरणा से कौन-से ग्रंथ का संकलन किया गया था?

(A) जिनेन्द्र व्याकरण

(B) समणसुत्तं

(C) द्रव्यसंग्रह

(D) व्याकरणकोश

49. निश्चय नय से आत्मा कैसा है?

(A) अनन्त प्रदेशों वाला

(B) एक प्रदेशी

(C) असंख्यात प्रदेशों वाला

(D) दोनों (A) और (B)

50. तीर्थंकर भगवान कितने इन्द्रों से वंदनीय होते हैं?

(A) चालीस

(B) चार

(C) सौ

(D) बत्तीस

51. वस्तु के विपरीत स्वभाव को ग्रहण करने वाले ज्ञान को क्या कहते हैं?

(A) नय

(B) निश्चय नय

(C) व्यवहार

(D) व्यवहार नय

52. निम्न में से बल नहीं है –

(A) मन

(B) सिद्ध

(C) काय

(D) वचन

53. चंदलेहा सट्टक के रचनाकार कौन हैं?

(A) हरिभदसूरि

(B) आचार्य नेमिचन्द्र

(C) मार्कण्डेय

(D) रुद्रदास

54. मिथ्या ज्ञान कितने होते हैं?

(A) तीन

(B) पाँच

(C) आठ

(D) दो

55. कौन-से भगवान के पास दस प्राणों में से एक भी प्राण नहीं हैं, उनका निश्चयनय एक चेतन प्राण ही माना गया है?

(A) अरहंत

(B) सकल परमात्मा

(C) केवली परमात्मा

(D) सिद्ध परमात्मा

56. द्रव्यसंग्रह की प्रारम्भिक 14 गाथाओं में किसका वर्णन किया गया है?

(A) पुद्गलद्रव्य अधिकार

(B) अजीवद्रव्य अधिकार

(C) जीवद्रव्य जीव अधिकार

(D) सात तत्व अधिकार

57. आचार्य नेमिचन्द्र का समय क्या माना जाता है?

(A) 11 ईसवी के लगभग

(B) 07 ईसवी के लगभग

(C) 09 ईसवी के लगभग

(D) 10 ईसवी के लगभग

नोट- रिक्त स्थान भरने के लिए सही शब्द का चुनाव करना हैं। प्रश्न संख्या 58 से 62 तक।

58. जीवमजीवं दव्वं जिणवर ..... जेण णिद्दिट्ठं।

(A) जेण (B) सहेण

(C) सव्वदा (D) वसहेण

59. मंगलाणं च सव्वेसिं, ... हवइ मंगलं।

(A) प्रथम

(B) पहला

(C) पढमइ

(D) पढम

60. नेमिचन्द्र महाराज ने कौन-से प्रसिद्ध प्रतिमा की प्रतिष्ठा करायी?

(A) महावीर जी (महावीर भगवान)

(B) कुण्डलपुर (आदिनाथ)

(C) श्रवणगोला (बाहुबली)

(D) केशवरावपाटन (मुनि सुब्रतनाथ)

61. चक्खु अचक्खू ओही ..... मध केवलं णेयं।

(A) णाणं

(B) दसणं

(C) उपयोग

(D) दसाण

62. अट्ठविहकम्म ..... णिट्ठियकज्जा।

(A) कज्जा

(B) वियला

(C) सव्वदा

(D) वसहेण

63. यदि कोई व्यक्ति किसी जीव को तीर्थंकर आदि जिनबिम्ब के दर्शन से रोकता है, तो उस व्यक्ति को कौन-से कर्म का बन्ध होगा?

(A) ज्ञानावरणी

(B) अन्तराय

(C) दर्शनावरणी

(D) वेदनीय

64. तीर्थंकर भगवान का शरीर कैसा होता है?

(A) मलसहित

(B) चन्दनयुक्त

(C) स्वेदरहित

(D) लाल रक्त युक्त

65. द्रव्यसंग्रह की रचना कहाँ हुई थी?

(A) केशवरावपाटन

(B) सम्मेदशिखरजी

(C) अयोध्या

(D) पावापुरी

66. केवलज्ञान के अतिशय कितने होते हैं?

(A) आठ

(B) पाँच

(C) दस

(D) आठ

67. दर्शनावरणी, ज्ञानवरणी, मोहनीय और अन्तराय कर्म के क्षय होने पर अरहंत को कितने गुण प्रकट होते हैं?

(A) आठ

(B) चार

(C) ग्यारह

(D) दस

68. चक्षु दर्शनावरण के क्षयोपशम से तथा बहिरंग द्रव्येन्द्रिय के आलम्बन से मूर्तिक पदार्थ के सत्ता सामान्य को एकदेश विकल्प रहित जो देखता है, वह क्या कहलाता है?

(A) अचक्षु दर्शन

(B) चक्षु दर्शन

(C) अवधि दर्शन

(D) केवल दर्शन

69. आचार्य नेमिचन्द्र महाराज की उपाधि क्या है?

(A) कालिकालसर्वज्ञ

(B) गृद्धपिच्छ

(C) सन्तशिरोमणि

(D) सिद्धान्तिदेव

70. द्रव्यसंग्रह के वृत्तिकार कौन हैं?

(A) आचार्य नेमिचन्द्र

(B) पं. जवाहर लाल शास्त्री

(C) ब्रह्मदेवसूरि

(D) रायचन्द्र

71. लब्धिसार ग्रन्थ के रचनाकार कौन हैं?

(A) आचार्य नेमिचन्द्र

(B) आचार्य समन्द्रभन्द्र

(C) आचार्य जिनसेन

(D) आचार्य वीरसेन

72. नेमिचन्द्र सिद्धान्ति देव ने सर्वप्रथम कितनी गाथाओं का द्रव्यसंग्रह लिखा था?

(A) 26

(B) 58

(C) 48

(D) 108

73. सोमश्रेष्ठी के लिए कौन-सा ग्रंथ लिखा गया?

(A) समणसुत्त

(B) समयसार

(C) तत्वार्थसूत्र

(D) द्रव्यसंग्रह

74. द्रव्यसंग्रह में जीव के कितने अधिकारों का विवेचन किया गया है?

(A) 07

(B) 48

(C) 58

(D) 09

75. वस्तु के अशुद्ध स्वरूप के ग्रहण करने वाले नय को कहते हैं -

(A) निश्चय नय

(B) व्यवहार नय

(C) अशुद्ध उपयोग नय

(D) शुद्ध निश्चय

Roll No. .....

O.M.R. Serial No. | | | | | | | | |

Question Booklet Number

100031

DIPLOMA (SEM.-I) EXAMINATION, 2024-25

PRAKRIT LANGAUGE CERTIFICATE

(Sub. Code : CPL-01)

Paper Code
C C P L 1 0 4 T

Question Booklet Series

C

Time : 2 : 00 Hours

Max. Marks : 75

Instructions to the Examinee :

1. Do not open the booklet unless you are asked to do so.
2. The booklet contains 75 questions. Examinee is required to answer all 75 questions in the OMR Answer-Sheet provided and not in the question booklet. All questions carry equal marks.
3. Examine the Booklet and the OMR Answer-Sheet very carefully before you proceed. Faulty question booklet due to missing or duplicate pages/questions or having any other discrepancy should be got immediately replaced.
4. Four alternative answers are mentioned for each question as - A, B, C & D in the booklet. The candidate has to choose the correct / answer and mark the same in the OMR Answer-Sheet as per the direction :

(Remaining instructions on last page)

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक आपसे कहा न जाए।
2. प्रश्न-पुस्तिका में 75 प्रश्न हैं। परीक्षार्थी को सभी 75 प्रश्नों को केवल दी गई OMR आन्सर-शीट पर ही हल करना है, प्रश्न-पुस्तिका पर नहीं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर अंकित करने से पूर्व प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR आन्सर-शीट को सावधानीपूर्वक देख लें। दोषपूर्ण प्रश्न-पुस्तिका जिसमें कुछ भाग छपने से छूट गए हों या प्रश्न एक से अधिक बार छप गए हों या उसमें किसी अन्य प्रकार की कमी हो, उसे तुरन्त बदल लें।
4. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार सम्भावित उत्तर- A, B, C एवं D हैं। परीक्षार्थी को उन चारों विकल्पों में से सही उत्तर छाँटना है। उत्तर को OMR उत्तर-पत्रक में सम्बन्धित प्रश्न संख्या में निम्न प्रकार भरना है :

(शेष निर्देश अन्तिम पृष्ठ पर)

1. समणसुत्तं ग्रन्थ में कुल गाथाएँ हैं -

(A) 700

(B) 763

(C) 756

(D) 759

2. जैनाचार्यों ने प्राकृत श्लोकों को कहा है -

(A) लक्षण

(B) गाथा

(C) श्लोक

(D) पदावली

3. "खाओ पीओ मौज उड़ाओ" किसका सिद्धान्त है?

(A) न्याय दर्शन

(B) चार्वाक

(C) जैन धर्म

(D) बौद्ध धर्म

4. 'तत्वदर्शन' समणसुत्तं का कौन-सा खण्ड है?

(A) प्रथम

(B) द्वितीय

(C) तृतीय

(D) चतुर्थ

5. जीव-अजीव, नौ पदार्थ और सात तत्वों का समणसुत्तं के कौन-से खण्ड में विवेचन किया गया है?

(A) प्रथम

(B) द्वितीय

(C) तृतीय

(D) चतुर्थ

6. स्याद्वाद कहलाता है -

(A) नय

(B) अनेकान्तवाद

(C) वस्तु के स्वरूप को प्रस्तुत करने की शैली

(D) वस्तु के अनेक धर्म

7. समस्त द्रव्यों को अवकाश देने में कौन समर्थ है?

(A) जीवद्रव्य

(B) अजीवद्रव्य

(C) धर्मद्रव्य

(D) आकाश द्रव्य

8. मन और इन्द्रिय की सहायता से होने वाला ज्ञान कहलाता है-

(A) अवधिज्ञान

(B) केवलज्ञान

(C) श्रुतज्ञान

(D) मतिज्ञान

9. संसार की रचना किसके द्वारा की गयी है?

(A) भगवान

(B) देवों

(C) स्वनिर्मित है

(D) मनुष्यों

10. जिनवर किन्हें कहते हैं?

(A) जो जिनों में श्रेष्ठ होते हैं।

(B) जो देवों में श्रेष्ठ होते हैं।

(C) जो पर्याय में श्रेष्ठ होते हैं।

(D) जो देवों और नरों के द्वारा पूज्य होते हैं।

11. जीव किसे कहते हैं?

(A) जिसमें ज्ञान दर्शन चेतना हो

(B) जिसमें अनुभूति न हो

(C) जो पर पदार्थ का कर्त्ता हो

(D) समस्त पदार्थों को

12. द्रव्यसंग्रह की दूसरे नम्बर की गाथा में किसका वर्णन है?

(A) अजीव अधिकार

(B) जीव के नौ अधिकार

(C) आस्रव अधिकार

(D) पुण्य-पाप अधिकार

13. निश्चय नय से आत्मा कैसा है?

(A) अनन्त प्रदेशों वाला

(B) एक प्रदेशी

(C) असंख्यात प्रदेशों वाला

(D) दोनों (A) और (B)

14. तीर्थंकर भगवान कितने इन्द्रों से वंदनीय होते हैं?

(A) चालीस

(B) चार

(C) सौ

(D) बत्तीस

15. वस्तु के विपरीत स्वभाव को ग्रहण करने वाले ज्ञान को क्या कहते हैं?

(A) नय

(B) निश्चय नय

(C) व्यवहार

(D) व्यवहार नय

16. निम्न में से बल नहीं है –

(A) मन

(B) सिद्ध

(C) काय

(D) वचन

17. चंदलेहा सट्टक के रचनाकार कौन हैं?

(A) हरिभदसूरि

(B) आचार्य नेमिचन्द्र

(C) मार्कण्डेय

(D) रुद्रदास

18. मिथ्या ज्ञान कितने होते हैं?

(A) तीन

(B) पाँच

(C) आठ

(D) दो

19. आचार्य नेमिचन्द्र महाराज की उपाधि क्या है?

(A) कालिकालसर्वज्ञ

(B) गृद्धपिच्छ

(C) सन्तशिरोमणि

(D) सिद्धान्तिदेव

20. द्रव्यसंग्रह के वृत्तिकार कौन हैं?

(A) आचार्य नेमिचन्द्र

(B) पं. जवाहर लाल शास्त्री

(C) ब्रह्मदेवसूरि

(D) रायचन्द्र

21. लब्धिसार ग्रन्थ के रचनाकार कौन हैं?

(A) आचार्य नेमिचन्द्र

(B) आचार्य समन्द्रभन्द्र

(C) आचार्य जिनसेन

(D) आचार्य वीरसेन

22. नेमिचन्द्र सिद्धान्ति देव ने सर्वप्रथम कितनी गाथाओं का द्रव्यसंग्रह लिखा था?

(A) 26

(B) 58

(C) 48

(D) 108

23. सोमश्रेष्ठी के लिए कौन-सा ग्रंथ लिखा गया?

(A) समणसुत्त

(B) समयसार

(C) तत्वार्थसूत्र

(D) द्रव्यसंग्रह

24. द्रव्यसंग्रह में जीव के कितने अधिकारों का विवेचन किया गया है?

(A) 07

(B) 48

(C) 58

(D) 09

25. वस्तु के अशुद्ध स्वरूप के ग्रहण करने वाले नय को कहते हैं -

(A) निश्चय नय

(B) व्यवहार नय

(C) अशुद्ध उपयोग नय

(D) शुद्ध निश्चय

26. यदि कोई व्यक्ति किसी जीव को तीर्थंकर आदि जिनबिम्ब के दर्शन से रोकता है, तो उस व्यक्ति को कौन-से कर्म का बन्ध होगा?

(A) ज्ञानावरणी

(B) अन्तराय

(C) दर्शनावरणी

(D) वेदनीय

27. तीर्थंकर भगवान का शरीर कैसा होता है?

(A) मलसहित

(B) चन्दनयुक्त

(C) स्वेदरहित

(D) लाल रक्त युक्त

28. द्रव्यसंग्रह की रचना कहाँ हुई थी?

(A) केशवरावपाटन

(B) सम्मेदशिखरजी

(C) अयोध्या

(D) पावापुरी

29. केवलज्ञान के अतिशय कितने होते हैं?

(A) आठ

(B) पाँच

(C) दस

(D) आठ

30. दर्शनावरणी, ज्ञानवरणी, मोहनीय और अन्तराय कर्म के क्षय होने पर अरहंत को कितने गुण प्रकट होते हैं?

(A) आठ

(B) चार

(C) ग्यारह

(D) दस

31. चक्षु दर्शनावरण के क्षयोपशम से तथा बहिरंग द्रव्येन्द्रिय के आलम्बन से मूर्तिक पदार्थ के सत्ता सामान्य को एकदेश विकल्प रहित जो देखता है, वह क्या कहलाता है?

(A) अचक्षु दर्शन

(B) चक्षु दर्शन

(C) अवधि दर्शन

(D) केवल दर्शन

32. कौन-से भगवान के पास दस प्राणों में से एक भी प्राण नहीं हैं, उनका निश्चयनय एक चेतन प्राण ही माना गया है?

(A) अरहंत

(B) सकल परमात्मा

(C) केवली परमात्मा

(D) सिद्ध परमात्मा

33. द्रव्यसंग्रह की प्रारम्भिक 14 गाथाओं में किसका वर्णन किया गया है?

(A) पुद्गलद्रव्य अधिकार

(B) अजीवद्रव्य अधिकार

(C) जीवद्रव्य जीव अधिकार

(D) सात तत्व अधिकार

34. आचार्य नेमिचन्द्र का समय क्या माना जाता है?

(A) 11 ईसवी के लगभग

(B) 07 ईसवी के लगभग

(C) 09 ईसवी के लगभग

(D) 10 ईसवी के लगभग

नोट- रिक्त स्थान भरने के लिए सही शब्द का चुनाव करना हैं। प्रश्न संख्या 35 से 39 तक।

35. जीवमजीवं दव्वं जिणवर ..... जेण णिद्दिट्ठं।

(A) जेण (B) सहेण

(C) सव्वदा (D) वसहेण

36. मंगलाणं च सव्वेसिं, ... हवइ मंगलं।

(A) प्रथम

(B) पहला

(C) पढमइ

(D) पढम

37. नेमिचन्द्र महाराज ने कौन-से प्रसिद्ध प्रतिमा की प्रतिष्ठा करायी?

(A) महावीर जी (महावीर भगवान)

(B) कुण्डलपुर (आदिनाथ)

(C) श्रवणगोला (बाहुबली)

(D) केशवरावपाटन (मुनि सुब्रतनाथ)

38. चक्खु अचक्खू ओही ..... मध केवलं णेयं।

(A) णाणं

(B) दसणं

(C) उपयोग

(D) दसाण

39. अट्ठविहकम्म ..... णिट्ठियकज्जा।

(A) कज्जा

(B) वियला

(C) सव्वदा

(D) वसहेण

40. परोक्ष ज्ञान है-

(A) मदि-सुद

(B) मदि-सुद-ओही

(C) केवलज्ञान

(D) मदि-ओही

41. कुवधि, मनः पर्यय, अवधि और केवलज्ञान है?

(A) परोक्ष

(B) प्रत्यक्ष

(C) ज्ञान के भेद नहीं है

(D) परोक्ष और प्रमाण

42. निम्न में से वर्ण का एक भेद नहीं है-

(A) काला

(B) मीठा

(C) लाल

(D) पीला

43. निश्चय नय की अपेक्षा से जीव कौन-से कर्मों का कर्त्ता है?

(A) चेतन कर्मों

(B) अचेतन कर्मों

(C) पुद्गल कर्मों

(D) शुभ-अशुभ कर्मों

44. व्यवहार नय की अपेक्षा से जीव कौन-से कर्मों को भोगता है?

(A) चेतन कर्मों

(B) अचेतन कर्मों

(C) पुद्गल कर्मों

(D) शुभ-अशुभ कर्मों

45. गमन करते हुए जीवों और पुद्गल को जो गमन कराने में निमित हो उसे क्या कहते हैं?

(A) जीवद्रव्य

(B) अजीवद्रव्य

(C) धर्मद्रव्य

(D) आकाशद्रव्य

46. शुद्ध निश्चय नय की दृष्टि से जीव कैसे जीता है?

(A) भौतिक सुखों से युक्त

(B) जन्म-मरण से युक्त

(C) आदि, मध्य और अन्त से रहित

(D) मोह रूपी मद पीकर

47. निम्न में से एक निश्चय नय का भेद है?

(A) नैगम

(B) संग्रह

(C) सद्भूत व्यवहार

(D) अशुद्ध निश्चय नय

48. जीव मूर्तिक कर्मों का अधीन होने से रूप, रस गंध और वर्ण सहित होने से कहलाता है-

(A) अमूर्तिक

(B) कर्मों कर्त्ता

(C) भोक्ता

(D) मूर्तिक

49. बल कितने होते हैं?

(A) तीन

(B) एक

(C) चार

(D) दो

50. उपयोग कितने प्रकार का होता है?

(A) तीन

(B) सात

(C) पाँच

(D) दो

51. बन्ध, वध, छेद अतिभारण और अन्ननिरोध किस व्रत के अतिचार हैं?

(A) अहिंसा महाव्रत

(B) सत्य महाव्रत

(C) अचौर्य महाव्रत

(D) ब्रह्मचर्य महाव्रत

52. नय के कितने भेद हैं?

(A) 3

(B) 9

(C) 10

(D) 7

53. इन्द्रिय की सहायता से बिना आत्मा से होने वाला ज्ञान कहलाता है-

(A) परोक्ष

(B) प्रत्यक्ष

(C) मनः पर्यय ज्ञान

(D) मति-श्रुतज्ञान

54. स्पर्श कितने होते हैं?

(A) आठ

(B) पाँच

(C) तीन

(D) आठ

55. जिसमें अनेक महापुरुषों का जीवन चरित वर्णित हो और लोक प्रसिद्ध हो उस काव्य को कहते हैं -

(A) मुक्त काव्य

(B) महाकाव्य

(C) खण्ड काव्य

(D) चरित काव्य

56. चामुण्डराय के गुरू का क्या नाम था?

(A) आचार्य नेमिचन्द्र

(B) आचार्य समन्तभद्र

(C) आचार्य जिनसेन

(D) आचार्य वीरसेन

57. प्राकृत में नाटक को कहते हैं-

(A) सट्टक

(B) नाटक

(C) चरियं

(D) कथा

58. जिनशासनसूत्र ..... ग्रन्थ का प्रकरण है।

(A) समणसुत्तं

(B) समयसार

(C) तत्वार्थ सूत्र

(D) द्रव्यसंग्रह

59. समणसुत्तं ग्रन्थ किस प्रकार का ग्रन्थ है?

(A) वृत्ति ग्रन्थ

(B) संकलन ग्रन्थ

(C) टीका ग्रन्थ

(D) अनुवाद ग्रन्थ

60. मोक्ष का मार्ग है-

(A) सम्यक दर्शन

(B) सम्यक ज्ञान

(C) सम्यक चरित्र

(D) उपरोक्त सभी

61. 'दर्शन' शब्द का अर्थ होता है-

(A) ज्ञान

(B) देखना

(C) जानना

(D) स्मरण

62. सव्व साहूणं का प्राकृत अनुवाद क्या होगा?

(A) लोक के साधु

(B) साधुओं को नमस्कार

(C) साहू

(D) सभी साधुओं को

63. लोक में कितनी शरण हैं?

(A) पाँच

(B) तीन

(C) चार

(D) एक

64. जीव कैसा है?

(A) उपयोगमयी

(B) उपयोगमयी, मूर्तिक

(C) अनुपयोगी

(D) मूर्तिक-अमूर्तिक

65. जीव स्वभाव से कैसा है?

(A) अधोगमन करने वाला

(B) ऊर्ध्वगमन करने वाला

(C) मान-लोभ करने वाला

(D) पाप करने वाला

66. इनमें से प्राण नहीं है?

(A) इन्द्रिय

(B) बल

(C) आयु

(D) ज्ञान

67. इनमें से दर्शन उपयोग के भेद नहीं है-

(A) अचक्षु दर्शन

(B) चक्षु दर्शन

(C) अवधि दर्शन

(D) अनन्त दर्शन

68. निश्चय नय से जीव कौन है?

(A) जिसमें चेतना हो

(B) जो अचेतन हो

(C) जिसमें मोह हो

(D) इनमें से कोई नहीं

69. आत्मा व्यवहार नय से किसको भोगता है?

(A) सुख-दुःख रूप पुद्गल कर्म के फल को

(B) चेतन भाव ज्ञान दर्शन सुख को

(C) राग-द्वेष को

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

70. परमात्मा के कितने भेद होते हैं?

(A) 2

(B) 3

(C) 24

(D) 5

71. क्रम संख्या में सत्यानुणव्रत का क्रम है?

(A) 5

(B) 3

(C) 4

(D) 2

72. तीन काल में जीव के .....प्राण होते हैं।

(A) पाँच इन्द्रिय

(B) चार प्राण

(C) तीन प्राण

(D) दो बल

73. शुभ-अशुभ कर्मों का कर्त्ता है -

(A) जीव

(B) अमूर्तिक

(C) पुद्गल

(D) धर्मद्रव्य

74. जिनवरों में श्रेष्ठ कौन है?

(A) आचार्य

(B) गणधर

(C) गौतम जिनवर

(D) वृषभदेव जिनवर

75. विनोबा जी की प्रेरणा से कौन-से ग्रंथ का संकलन किया गया था?

(A) जिनेन्द्र व्याकरण

(B) समणसुत्तं

(C) द्रव्यसंग्रह

(D) व्याकरणकोश

Roll. No. .....

O.M.R. Serial No. | | | | | | | | |

Question Booklet Number

100332

DIPLOMA (SEM.-I) EXAMINATION, 2024-25

PRAKRIT LANGAUGE CERTIFICATE

(Sub. Code : CPL-01)

Paper Code							
C	C	P	L	1	0	4	T

Question Booklet Series

D

Time : 2 : 00 Hours

Max. Marks : 75

Instructions to the Examinee :

1. Do not open the booklet unless you are asked to do so.
2. The booklet contains 75 questions. Examinee is required to answer all 75 questions in the OMR Answer-Sheet provided and not in the question booklet. All questions carry equal marks.
3. Examine the Booklet and the OMR Answer-Sheet very carefully before you proceed. Faulty question booklet due to missing or duplicate pages/questions or having any other discrepancy should be got immediately replaced.
4. Four alternative answers are mentioned for each question as - A, B, C & D in the booklet. The candidate has to choose the correct / answer and mark the same in the OMR Answer-Sheet as per the direction :

(Remaining instructions on last page)

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक आपसे कहा न जाए।
2. प्रश्न-पुस्तिका में 75 प्रश्न हैं। परीक्षार्थी को सभी 75 प्रश्नों को केवल दी गई OMR आन्सर-शीट पर ही हल करना है, प्रश्न-पुस्तिका पर नहीं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर अंकित करने से पूर्व प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR आन्सर-शीट को सावधानीपूर्वक देख लें। दोषपूर्ण प्रश्न-पुस्तिका जिसमें कुछ भाग छपने से छूट गए हों या प्रश्न एक से अधिक बार छप गए हों या उसमें किसी अन्य प्रकार की कमी हो, उसे तुरन्त बदल लें।
4. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार सम्भावित उत्तर- A, B, C एवं D हैं। परीक्षार्थी को उन चारों विकल्पों में से सही उत्तर छाँटना है। उत्तर को OMR उत्तर-पत्रक में सम्बन्धित प्रश्न संख्या में निम्न प्रकार भरना है :

(शेष निर्देश अन्तिम पृष्ठ पर)

1. नय के कितने भेद हैं?

(A) 3

(B) 9

(C) 10

(D) 7

2. इन्द्रिय की सहायता से बिना आत्मा से होने वाला ज्ञान कहलाता है-

(A) परोक्ष

(B) प्रत्यक्ष

(C) मनः पर्यय ज्ञान

(D) मति-श्रुतज्ञान

3. स्पर्श कितने होते हैं?

(A) आठ

(B) पाँच

(C) तीन

(D) आठ

4. जिसमें अनेक महापुरुषों का जीवन चरित वर्णित हो और लोक प्रसिद्ध हो उस काव्य को कहते हैं -

(A) मुक्त काव्य

(B) महाकाव्य

(C) खण्ड काव्य

(D) चरित काव्य

5. चामुण्डराय के गुरू का क्या नाम था?

(A) आचार्य नेमिचन्द्र

(B) आचार्य समन्तभद्र

(C) आचार्य जिनसेन

(D) आचार्य वीरसेन

6. प्राकृत में नाटक को कहते हैं-

(A) सट्टक

(B) नाटक

(C) चरियं

(D) कथा

7. जिनशासनसूत्र ..... ग्रन्थ का प्रकरण है।

(A) समणसुत्तं

(B) समयसार

(C) तत्वार्थ सूत्र

(D) द्रव्यसंग्रह

8. समणसुत्तं ग्रन्थ किस प्रकार का ग्रन्थ है?

(A) वृत्ति ग्रन्थ

(B) संकलन ग्रन्थ

(C) टीका ग्रन्थ

(D) अनुवाद ग्रन्थ

9. मोक्ष का मार्ग है-

(A) सम्यक दर्शन

(B) सम्यक ज्ञान

(C) सम्यक चरित्र

(D) उपरोक्त सभी

10. 'दर्शन' शब्द का अर्थ होता है-

(A) ज्ञान

(B) देखना

(C) जानना

(D) स्मरण

11. सव्व साहूणं का प्राकृत अनुवाद क्या होगा?

(A) लोक के साधु

(B) साधुओं को नमस्कार

(C) साहू

(D) सभी साधुओं को

12. लोक में कितनी शरण हैं?

(A) पाँच

(B) तीन

(C) चार

(D) एक

13. यदि कोई व्यक्ति किसी जीव को तीर्थंकर आदि जिनबिम्ब के दर्शन से रोकता है, तो उस व्यक्ति को कौन-से कर्म का बन्ध होगा?

(A) ज्ञानावरणी

(B) अन्तराय

(C) दर्शनावरणी

(D) वेदनीय

14. तीर्थंकर भगवान का शरीर कैसा होता है?

(A) मलसहित

(B) चन्दनयुक्त

(C) स्वेदरहित

(D) लाल रक्त युक्त

15. द्रव्यसंग्रह की रचना कहाँ हुई थी?

(A) केशवरावपाटन

(B) सम्मेदशिखरजी

(C) अयोध्या

(D) पावापुरी

16. केवलज्ञान के अतिशय कितने होते हैं?

(A) आठ

(B) पाँच

(C) दस

(D) आठ

17. दर्शनावरणी, ज्ञानवरणी, मोहनीय और अन्तराय कर्म के क्षय होने पर अरहंत को कितने गुण प्रकट होते हैं?

(A) आठ

(B) चार

(C) ग्यारह

(D) दस

18. चक्षु दर्शनावरण के क्षयोपशम से तथा बहिरंग द्रव्येन्द्रिय के आलम्बन से मूर्तिक पदार्थ के सत्ता सामान्य को एकदेश विकल्प रहित जो देखता है, वह क्या कहलाता है?

(A) अचक्षु दर्शन

(B) चक्षु दर्शन

(C) अवधि दर्शन

(D) केवल दर्शन

19. परमात्मा के कितने भेद होते हैं?

(A) 2

(B) 3

(C) 24

(D) 5

20. क्रम संख्या में सत्यानुणव्रत का क्रम है?

(A) 5

(B) 3

(C) 4

(D) 2

21. तीन काल में जीव के .....प्राण होते हैं।

(A) पाँच इन्द्रिय

(B) चार प्राण

(C) तीन प्राण

(D) दो बल

22. शुभ-अशुभ कर्मों का कर्त्ता है -

(A) जीव

(B) अमूर्तिक

(C) पुद्गल

(D) धर्मद्रव्य

23. जिनवरों में श्रेष्ठ कौन है?

(A) आचार्य

(B) गणधर

(C) गौतम जिनवर

(D) वृषभदेव जिनवर

24. विनोबा जी की प्रेरणा से कौन-से ग्रंथ का संकलन किया गया था?

(A) जिनेन्द्र व्याकरण

(B) समणसुत्तं

(C) द्रव्यसंग्रह

(D) व्याकरणकोश

25. निश्चय नय से आत्मा कैसा है?

(A) अनन्त प्रदेशों वाला

(B) एक प्रदेशी

(C) असंख्यात प्रदेशों वाला

(D) दोनों (A) और (B)

26. तीर्थंकर भगवान कितने इन्द्रों से वंदनीय होते हैं?

(A) चालीस

(B) चार

(C) सौ

(D) बत्तीस

27. वस्तु के विपरीत स्वभाव को ग्रहण करने वाले ज्ञान को क्या कहते हैं?

(A) नय

(B) निश्चय नय

(C) व्यवहार

(D) व्यवहार नय

28. निम्न में से बल नहीं है –

(A) मन

(B) सिद्ध

(C) काय

(D) वचन

29. चंदलेहा सट्टक के रचनाकार कौन हैं?

(A) हरिभदसूरि

(B) आचार्य नेमिचन्द्र

(C) मार्कण्डेय

(D) रुद्रदास

30. मिथ्या ज्ञान कितने होते हैं?

(A) तीन

(B) पाँच

(C) आठ

(D) दो

31. परोक्ष ज्ञान है-

(A) मदि-सुद

(B) मदि-सुद-ओही

(C) केवलज्ञान

(D) मदि-ओही

32. कुवधि, मनः पर्यय, अवधि और केवलज्ञान है?

(A) परोक्ष

(B) प्रत्यक्ष

(C) ज्ञान के भेद नहीं है

(D) परोक्ष और प्रमाण

33. निम्न में से वर्ण का एक भेद नहीं है-

(A) काला

(B) मीठा

(C) लाल

(D) पीला

34. निश्चय नय की अपेक्षा से जीव कौन-से कर्मों का कर्त्ता है?

(A) चेतन कर्मों

(B) अचेतन कर्मों

(C) पुद्गल कर्मों

(D) शुभ-अशुभ कर्मों

35. व्यवहार नय की अपेक्षा से जीव कौन-से कर्मों को भोगता है?

(A) चेतन कर्मों

(B) अचेतन कर्मों

(C) पुद्गल कर्मों

(D) शुभ-अशुभ कर्मों

36. गमन करते हुए जीवों और पुद्गल को जो गमन कराने में निमित हो उसे क्या कहते हैं?

(A) जीवद्रव्य

(B) अजीवद्रव्य

(C) धर्मद्रव्य

(D) आकाशद्रव्य

37. जीव कैसा है?

(A) उपयोगमयी

(B) उपयोगमयी, मूर्तिक

(C) अनुपयोगी

(D) मूर्तिक-अमूर्तिक

38. जीव स्वभाव से कैसा है?

(A) अधोगमन करने वाला

(B) ऊर्ध्वगमन करने वाला

(C) मान-लोभ करने वाला

(D) पाप करने वाला

39. इनमें से प्राण नहीं है?

(A) इन्द्रिय

(B) बल

(C) आयु

(D) ज्ञान

40. इनमें से दर्शन उपयोग के भेद नहीं है-

(A) अचक्षु दर्शन

(B) चक्षु दर्शन

(C) अवधि दर्शन

(D) अनन्त दर्शन

41. निश्चय नय से जीव कौन है?

(A) जिसमें चेतना हो

(B) जो अचेतन हो

(C) जिसमें मोह हो

(D) इनमें से कोई नहीं

42. आत्मा व्यवहार नय से किसको भोगता है?

(A) सुख-दुःख रूप पुद्गल कर्म के फल को

(B) चेतन भाव ज्ञान दर्शन सुख को

(C) राग-द्वेष को

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

43. आचार्य नेमिचन्द्र महाराज की उपाधि क्या है?

(A) कालिकालसर्वज्ञ

(B) गृद्धपिच्छ

(C) सन्तशिरोमणि

(D) सिद्धान्तिदेव

44. द्रव्यसंग्रह के वृत्तिकार कौन हैं?

(A) आचार्य नेमिचन्द्र

(B) पं. जवाहर लाल शास्त्री

(C) ब्रह्मदेवसूरि

(D) रायचन्द्र

45. लब्धिसार ग्रन्थ के रचनाकार कौन हैं?

(A) आचार्य नेमिचन्द्र

(B) आचार्य समन्द्रभन्द्र

(C) आचार्य जिनसेन

(D) आचार्य वीरसेन

46. नेमिचन्द्र सिद्धान्ति देव ने सर्वप्रथम कितनी गाथाओं का द्रव्यसंग्रह लिखा था?

(A) 26

(B) 58

(C) 48

(D) 108

47. सोमश्रेष्ठी के लिए कौन-सा ग्रंथ लिखा गया?

(A) समणसुत्त

(B) समयसार

(C) तत्वार्थसूत्र

(D) द्रव्यसंग्रह

48. द्रव्यसंग्रह में जीव के कितने अधिकारों का विवेचन किया गया है?

(A) 07

(B) 48

(C) 58

(D) 09

49. वस्तु के अशुद्ध स्वरूप के ग्रहण करने वाले नय को कहते हैं -

(A) निश्चय नय

(B) व्यवहार नय

(C) अशुद्ध उपयोग नय

(D) शुद्ध निश्चय

50. समणसुत्तं ग्रन्थ में कुल गाथाएँ हैं –

(A) 700

(B) 763

(C) 756

(D) 759

51. जैनाचार्यों ने प्राकृत श्लोकों को कहा है –

(A) लक्षण

(B) गाथा

(C) श्लोक

(D) पदावली

52. "खाओ पीओ मौज उड़ाओ" किसका सिद्धान्त है?

(A) न्याय दर्शन

(B) चार्वाक

(C) जैन धर्म

(D) बौद्ध धर्म

53. 'तत्वदर्शन' समणसुत्तं का कौन-सा खण्ड है?

(A) प्रथम

(B) द्वितीय

(C) तृतीय

(D) चतुर्थ

54. जीव-अजीव, नौ पदार्थ और सात तत्वों का समणसुत्तं के कौन-से खण्ड में विवेचन किया गया है?

(A) प्रथम

(B) द्वितीय

(C) तृतीय

(D) चतुर्थ

55. स्याद्वाद कहलाता है –

(A) नय

(B) अनेकान्तवाद

(C) वस्तु के स्वरूप को प्रस्तुत करने की शैली

(D) वस्तु के अनेक धर्म

56. शुद्ध निश्चय नय की दृष्टि से जीव कैसे जीता है?

(A) भौतिक सुखों से युक्त

(B) जन्म-मरण से युक्त

(C) आदि, मध्य और अन्त से रहित

(D) मोह रूपी मद पीकर

57. निम्न में से एक निश्चय नय का भेद है?

(A) नैगम

(B) संग्रह

(C) सद्भूत व्यवहार

(D) अशुद्ध निश्चय नय

58. जीव मूर्तिक कर्मों का अधीन होने से रूप, रस गंध और वर्ण सहित होने से कहलाता है-

(A) अमूर्तिक

(B) कर्मों कर्त्ता

(C) भोक्ता

(D) मूर्तिक

59. बल कितने होते हैं?

(A) तीन

(B) एक

(C) चार

(D) दो

60. उपयोग कितने प्रकार का होता है?

(A) तीन

(B) सात

(C) पाँच

(D) दो

61. बन्ध, वध, छेद अतिभारण और अन्ननिरोध किस व्रत के अतिचार हैं?

(A) अहिंसा महाव्रत

(B) सत्य महाव्रत

(C) अचौर्य महाव्रत

(D) ब्रह्मचर्य महाव्रत

62. कौन-से भगवान के पास दस प्राणों में से एक भी प्राण नहीं हैं, उनका निश्चयनय एक चेतन प्राण ही माना गया है?

(A) अरहंत

(B) सकल परमात्मा

(C) केवली परमात्मा

(D) सिद्ध परमात्मा

63. द्रव्यसंग्रह की प्रारम्भिक 14 गाथाओं में किसका वर्णन किया गया है?

(A) पुद्गलद्रव्य अधिकार

(B) अजीवद्रव्य अधिकार

(C) जीवद्रव्य जीव अधिकार

(D) सात तत्व अधिकार

64. आचार्य नेमिचन्द्र का समय क्या माना जाता है?

(A) 11 ईसवी के लगभग

(B) 07 ईसवी के लगभग

(C) 09 ईसवी के लगभग

(D) 10 ईसवी के लगभग

नोट- रिक्त स्थान भरने के लिए सही शब्द का चुनाव करना हैं। प्रश्न संख्या 65 से 69 तक।

65. जीवमजीवं दव्वं जिणवर ..... जेण णिद्दिट्ठं।

(A) जेण (B) सहेण

(C) सव्वदा (D) वसहेण

66. मंगलाणं च सव्वेसिं, ... हवइ मंगलं।

(A) प्रथम

(B) पहला

(C) पढमइ

(D) पढम

67. नेमिचन्द्र महाराज ने कौन-से प्रसिद्ध प्रतिमा की प्रतिष्ठा करायी?

(A) महावीर जी (महावीर भगवान)

(B) कुण्डलपुर (आदिनाथ)

(C) श्रवणगोला (बाहुबली)

(D) केशवरावपाटन (मुनि सुब्रतनाथ)

68. चक्खु अचक्खू ओही ..... मध केवलं णेयं।

(A) णाणं

(B) दसणं

(C) उपयोग

(D) दसाण

69. अठ्ठविहकम्म ..... णिठ्ठियकज्जा।

(A) कज्जा

(B) वियला

(C) सव्वदा

(D) वसहेण

70. समस्त द्रव्यों को अवकाश देने में कौन समर्थ है?

(A) जीवद्रव्य

(B) अजीवद्रव्य

(C) धर्मद्रव्य

(D) आकाश द्रव्य

71. मन और इन्द्रिय की सहायता से होने वाला ज्ञान कहलाता है-

(A) अवधिज्ञान

(B) केवलज्ञान

(C) श्रुतज्ञान

(D) मतिज्ञान

72. संसार की रचना किसके द्वारा की गयी है?

(A) भगवान

(B) देवों

(C) स्वनर्मित है

(D) मनुष्यों

73. जिनवर किन्हें कहते हैं?

(A) जो जिनों में श्रेष्ठ होते हैं।

(B) जो देवों में श्रेष्ठ होते हैं।

(C) जो पर्याय में श्रेष्ठ होते हैं।

(D) जो देवों और नरों के द्वारा पूज्य होते हैं।

74. जीव किसे कहते हैं?

(A) जिसमें ज्ञान दर्शन चेतना हो

(B) जिसमें अनुभूति न हो

(C) जो पर पदार्थ का कर्त्ता हो

(D) समस्त पदार्थों को

75. द्रव्यसंग्रह की दूसरे नम्बर की गाथा में किसका वर्णन है?

(A) अजीव अधिकार

(B) जीव के नौ अधिकार

(C) आस्रव अधिकार

(D) पुण्य-पाप अधिकार